Suspension of World Bank Loan to DESU

1571. SHRI D.B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether an action plan is under the consideration of the Central Government to meet the crisis created by the suspension of the $ 60m World Bank loan to DESU for a 400 KV ring around the city;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what are the reasons for Suspension of the loan to DESU by the World Bank; and

(d) what steps Government propose to take to meet the crisis?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) to (d) In May, 1987 the World Bank agreed to provide a loan of US $ 485 million for the National CapitalPower Supply Project, including 60 million US $ for DESU for the 400 KV Transmission ring around Delhi. The agreement with the World Bank, inter-alia, stipulates that DESU would take steps to improve its financial viability and furnish to the Bank a satisfactory plan for the financial strengthening of DESU by February, 1988. Due to the time taken in formulation and finalisation of such a plan which involves consideration of many complex issues, the World Bank has suspended disbursement of the DESU's component of the loan amounting to 60 million U S $ w.e.f. 6th January, 1989. The action plan for financial rehabilitation of DESU has since been prepared.

टेहरी बांध परियोजना का निर्माण कार्य

1572. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टेहरी बांध परियोजना पहले 1972 में स्वीकृत की गयी थी और इस परियोजना में 600 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य था ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस परियोजना से संबंधित बजट प्राक्कलनों को 1981 के वर्ष में पुनः संशोधित किया गया था और इसकी कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 1000 मेगावाट निर्धारित की गयी थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि अब इस परियोजना का उत्पादन लक्ष्य एक बार पुनः संशोधित करके 2000 मेगावाट तक कर दिया गया है ;

(घ) यदि हां, तो इस परियोजना में बार-बार परिवर्तन किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या यह सच है कि इस परियोजना का निर्माण कार्य आज तक भी शुरू नहीं किया गया है ; यदि हां, तो इस परियोजना में कुछ और परिवर्तन किये जाने की संभावना है; यदि नहीं, तो इस परियोजना के निर्माण कार्य के कब तक शुरू कर दिये जाने की संभावना है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) टिहरी जल विद्युत कांप्लैक्स के चरण-एक के अन्तर्गत आने वाली टिहरी विद्युत परियोजना की प्रतिष्ठापित क्षमता 1000 मे० वा० होगी । तथापि, पम्प स्टोरेज प्लांट की प्रतिष्ठापना के द्वारा टिहरी चरण-दो परियोजना के अन्तर्गत 1000 मे० वा० की अतिरिक्त क्षमता की परिकल्पना की गई है ।

(घ) अपेक्षाकृत अधिक व्यस्तता (पीकिंग) लाभ प्राप्त करने के लिये क्षमता को बढ़ाया गया था ।

(ङ) जी, नहीं । टिहरी बांध परियोजना का निर्माण 1978 में शुरू कर दिया गया था ।